

भारत सरकार  
सूचना और प्रसारण मंत्रालय  
लोक सभा  
अतारांकित प्रश्न संख्या 439  
(दिनांक 27.11.2024 को उत्तर देने के लिए)

डिजिटल रेडियो और डायरेक्ट टू मोबाइल प्रसारण

439. श्री विनोद लखमशी चावड़ा:

श्री विजय बघेल:

श्री पी. पी. चौधरी:

श्री विश्वेश्वर हेगडे कागेरी:

श्री शंकर लालवानी:

श्री विजय कुमार दूबे:

श्री योगेन्द्र चांदोलिया:

श्री तेजस्वी सूर्या:

श्रीमती शोभनाबेन महेन्द्रसिंह बारैया:

क्या सूचना और प्रसारण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) किफायती जन संचार उपकरण के रूप में डिजिटल रेडियो और डायरेक्ट टू मोबाइल (डी2एम) प्रसारण की क्या भूमिका है;

(ख) सरकार द्वारा प्रसारण क्षेत्र में उभरती प्रौद्योगिकियों का समर्थन करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं और उस पर कितना व्यय हुआ है;

(ग) क्या सरकार ने देश में ऐसे डिजिटल रेडियो और डी2एम चैनलों की संख्या संबंधी कोई ब्यौरा एकत्र किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है इसका राज्य-वार वितरण क्या है;

(घ) क्या सरकार ने देश में जनसंचार उपकरण के रूप में डिजिटल रेडियो और डायरेक्ट टू मोबाइल (डी2एम) प्रसारण का कोई मूल्यांकन किया है, यदि हां, तो उनकी संभावित पहुंच और लागत प्रभावशीलता सहित तत्संबंधी राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ङ) संपूर्ण देश में डिजिटल रेडियो और डी2एम प्रसारण सेवाएं शुरू करने के लिए विशिष्ट योजनाएं और समय-सीमा का राज्य-वार ब्यौरा क्या है; और

(च) क्या डी2एम प्रसारण के लिए कोई प्रायोगिक परियोजना शुरू की गई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा ये किन स्थानों पर हैं तथा इसके क्या परिणाम रहेंगे?

## उत्तर

### रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री (श्री अश्विनी वैष्णव)

(क): डायरेक्ट ट्रू मोबाइल (डी2एम) एक नई प्रौद्योगिकी है जो टेरेस्ट्रियल (स्थलीय) प्रसारण अवसंरचना का लाभ उठाकर मोबाइल फोन और स्मार्ट डिवाइस (बिना सिम के) में प्रसारण सिग्नल (वीडियो, ऑडियो, डेटा) को सीधा पहुंचाती है। डी2एम नेटवर्क का उपयोग जनता को निःशुल्क/किफायती लागत पर जानकारी प्रदान करने, शिक्षित करने और मनोरजन के साथ-साथ शैक्षणिक सामग्री, आपातकालीन अलर्ट, आपदा प्रबंधन अपडेट आदि पहुंचाने के लिए डेटा पाइप के रूप में भी किया जा सकता है।

(ख): सूचना और प्रसारण मंत्रालय समय-समय पर उचित नीतिगत निर्देश जारी कर प्रसारण क्षेत्र में उभरती प्रौद्योगिकियों को अपनाने को बढ़ावा देता है। इसके अलावा, प्रसार भारती प्रसारण क्षेत्र में उभरती प्रौद्योगिकियों जैसे नेटवर्क का डिजिटलीकरण, नवीनतम उपकरणों का उन्नयन आदि को अपनाकर आकाशवाणी और दूरदर्शन नेटवर्क को लगातार उन्नत करता है। प्रसार भारती ने उल्लेख किया है कि इसने 2010 से 2021 तक की अवधि के दौरान आकाशवाणी में मीडियम वेव और शॉर्ट वेव ट्रांसमीटरों के डिजिटलीकरण पर 504.12 करोड़ रुपये का व्यय किया है। इसके अलावा, प्रसार भारती ने डी2एम प्रसारण प्रौद्योगिकी का अध्ययन करने के लिए आईआईटी-कानपुर के साथ समझौता जापन भी किया है।

(ग) से (च): प्रसार भारती ने वर्ष 2020 और 2021 के दौरान दिल्ली और जयपुर में लोकप्रिय एफएम बैंड में दो डिजिटल रेडियो प्रसारण मानकों पर प्रायोगिक अध्ययन किए हैं। इसके अलावा, प्रसार भारती ने बताया है कि आकाशवाणी ने डिजिटल टेरेस्ट्रियल रेडियो प्रसारण के लिए 35 मीडियम वेव (एमडब्ल्यू) और 3 शॉर्ट वेव (एसडब्ल्यू) डिजिटल रेडियो मॉन्डियल (डीआरएम) ट्रांसमीटर लगाए हैं जो डिजिटल मोड, एनालॉग मोड में काम करने में सक्षम हैं और दोनों मोड में सिमुलकास्ट कर सकते हैं। इसके अलावा, 3 और डिजिटल-रेडी एमडब्ल्यू ट्रांसमीटरों को भी एमडब्ल्यू डीआरएम में अपग्रेड किया गया है।

डी2एम प्रसारण प्रौद्योगिकी के संबंध में, डी2एम प्रौद्योगिकी का मूल्यांकन करने के बाद आईआईटी कानपुर ने एक श्वेत पत्र जारी किया है और बैंगलुरु और दिल्ली में प्रसार भारती की अवसंरचना का उपयोग कर बड़े पैमाने पर प्रूफ ऑफ कान्सेप्ट (पीओसी) प्रदर्शित किया।

\*\*\*